आज का पुरुषार्थ 10 August 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"आज अपने परमपिता के प्रति अपने लगन को देखें.. उनके प्यार में आज मग्न हो जाये "*

हमारी है **राजयोग की तपस्या**। यह राजयोग अग्नि भी है, जिसमें हमारे जन्म जन्म के सभी विकर्म जलकर नष्ट हो जाते है।

जब विकर्म का बोझ हटने लगता है तब हमें एक तो बहुत हल्कापन feel होता है। दुसरा खुशी का पारा चढ़ जाता है। **खुशी नेचुरल बन जाती है।**

तीसरा संस्कार परिवर्तन होकर soft and sweet अर्थात **सुखदाई** होते जायेंगे। **हमारे विकर्म नष्ट होते जायेंगे।**

तो हम सभी अपने योग की अग्नि को और प्रज्वलित करते चले। योग में बहुत शक्ति है। यह भारत का प्राचीन राजयोग है। **इसी से भारत स्वर्ग बनता है।**

पतित से पावन, बेगर से प्रिंस, कंगाल से सिरताज बनाता है राजयोग। जब इस देश में थोड़े से लोग ही राजयोग की **गहन तपस्या** करने लगता है तो उनके वायब्रेशन्स से हमारे देश महान तीर्थ बन जाता है।

शान्ति के लिए, भगवान से मिलने के लिए, सत्य ज्ञान पाने के लिए लोग भारत को ही चुनते है। भारत भरपूर रहा तीन युगों तक।

तो हमें राजयोग का अभ्यास बहुत तत्परता के साथ करना है। इसके लिए पहली आवश्यकता है .. **लगन** की। योगी बनने की लगन।

ऐसे नहीं कि .. दुसरे कर रहे तो हम भी करके देखें। बाबा रोज कह रहे तो चलो, करके देखें। होता तो नहीं, बहुत busy life है। फिर भी देख लेते। नहीं ... ! ऐसा सोचने वाले **योगी** नहीं बन पाते।

योगी वही बनते है जो केवल यह सोचते है कि →

" मुझे योगी बनना है, मुझे इतना महान अभ्यास करना है, ऐसी श्रेष्ठ तपस्या करनी है "

ऐसी आत्माओं को जिनकी लगन तेज होती है उनको विघ्न रोक नहीं पाते। बल्कि विघ्न उनकी अग्नि को और प्रज्वलित कर देते है।

राजयोग में दुसरी बात है .. **प्यार।** प्यार तीन आधार से होता है अपने **परमपिता** से। जितना हम **अशरीरी** होते जाते है उतना ही automatically प्यार बढ़ता जाता है।

जितना उनसे हमारा सम्बन्ध **गहरा** होता जाता है .. एक अपनापन मेहसूस होना, एक दुसरे के लिए बहुत कुछ करने की कोशिश। और तीसरा .. हमें कितना **सुख** मिला, **प्राप्तियाँ** हुई।

सोचना .. वह कितना गुणवान है, हमारे लिए कितना कुछ कर जाते है, हमारे लिए क्या लेकर आये है!

तो वर्तमान की प्राप्तियाँ और भविष्य की भी सारी प्राप्तियाँ। जब बाबा कहते है →

" बच्चे, मैं तुम्हारे लिए हथेली पर स्वर्ग लाया हूँ .. मैंने तुम्हारे लिए स्वर्ग का उद्घाटन कर दिया है "

तो कितनी खुशी की बात है। यहाँ भी उसने हमारे दुःख हर लिए। जीवन में एक **सुकून दिया, शान्ति दी, निश्चिंतता दी, निर्भयता दी।**

बाबा ने इस सबसे हमें मुक्त कर दिया। तो प्यार हो गया मुझे उससे। तो इन तीन चीजों को बहुत बढ़ायेंगे।

" **वह मेरा है** " ... यह फीलिंग। जो कि निराकार है .. तो यह फीलिंग बहुत सूक्ष्म है।

" बह मेरा है "

इन फीलिंग में रहने से हमारा प्यार बढ़ेगा। योगयुक्त स्थिति नेचुरल और बहुत अच्छी सहज होती जायेगी।

तो इन बातों पर ध्यान देंगे और परमात्मम सुखों से अपनी झोलियाँ भरेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org